हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, मंगलवार 21 मई 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

कराते खिलाड़ियों ने अपने बेल्ट अपग्रेड करने दी परीक्षा

नैनपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा निःशुल्क ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन नैनपुर के उत्कृष्ट विद्यालय मैदान किया जा रहा है। शिविर में कराते एवं कबड्डी खेल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसमें कराते का प्रशिक्षण त्रिलोक डोंगरे एवं कबड्डी का प्रशिक्षण कमलेश भांवरे द्वारा एवं फुटबाल प्रशिक्षण जेआरसी मैदान में पवन नंदा द्वारा दिया जा रहा है। विकासखंड खेल युवा समन्वयक त्रिलोक डोंगरे ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर 31 मई तक चलेगा। प्रशिक्षण शिविर में बच्चे बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। जिसमें माता-पिता भी रुचि ले रहे हैं जिससे बच्चे मोबाइल की दुनिया से निकल कर मैदान पर आए और शारीरिक और मानसिक रूप से अपने आप को स्वस्थ बनाएं। बताया गया कि शिविर में कराते बेल्ट ग्रेडिंग परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें येलो से लेकर ब्राउन बेल्ट के 26 खिलाडियों ने परीक्षा में हिस्सा लिया और अपने बेल्ट अपग्रेड किये। परीक्षा राजेंद्र सिंह तोमर मप्र स्पोर्ट्स कराते एसोसिएशन अध्यक्ष एवं सेल्फ डिफेंस ऑफ इंडियन कराते चीफ डायरेक्टर और सह परीक्षक हनुमान तिवारी द्वारा लिया गया। परीक्षा में खिलाड़ियों का स्टैमिना, एंडोरेंस, स्पीड, टेक्निक, किहोंन, जुकी काता, गेरी काता, तेची काता, को देखते हुए उसके आधार पर खिलाड़ियों को बेल्ट प्रदान किया गया। खिलाड़ियों को आगामी प्रतियोगिता के लिए काता कुमिते का प्रशिक्षण दिया गया जिससे खिलाड़ी आगामी सभी प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। परीक्षा के समय उत्कृष्ट विद्यालय प्राचार्य बीएल झारिया, आदित्य धुर्वे, दिशा यादव, नेहा कोरी, सतीश तिवारी, संजय श्रीवास उपस्थित रहे। कराते परीक्षा पास करने वाले खिलाड़ी रितिका, रचना, उमेश, आराधना, मुस्कान, येलो ग्रीन बेल्ट कसक, लक्ष्मी, आरोही, श्रुति, पूजा, मोहित, दीक्षा, एजवेंद्र, नैतिक, मयंक, अभय, रोहित, ऑरेंज ब्लू बेल्ट संतोष, राजाराम, भूमिका, महिमा, मुस्कान ठाकुर, अनन्या, दीपाली, मोहित नंदा, सुरेंद्र, अमन रजक ब्राउन बेल्ट प्राप्त किए।

आखिर कब होगी गबन के आरोपियों पर एफआईआर

और कितनी लम्बी चलेगी जांच

*** लाखों के गबन का है मामला।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/निवास

शिक्षा विभाग और शिक्षक जिनके ऊपर मानव समाज के साथ छात्रों के भावी भविष्य के स्वर्णिम निर्माण का दायित्व होता है, अगर इस मंदिर के जिम्मेदार शिक्षक ही पथभ्रष्ट हो जायें तब ज्ञान के भूखे को कहीं और से निर्मल ज्ञान की प्राप्ति और अशिक्षित रहकर शिक्षित मानव समाज के निर्माण की बात बेमानी ही होगी।

बीईओ कार्यालय निवास में कई लाखों के गबन मामले की बीस दिनों से जांच पड़ताल चल रही है पर अभी तक किसी भी कर्मचारी या जिम्मेदार पर एफ़ आई आर न किया जाना बड़े संदेह को जन्म देता है जबकि जिले की ही नगर पंचायत बिछिया के घोटाला प्रकरण में दूसरे दिन ही मामला दर्ज किया गया था, और इस त्वरित कार्यवाही की ईमानदार कर्मचारियों ने बड़ी प्रशंसा भी की थी।

लेकिन निवास शिक्षा विभाग कार्यालय में ट्रेजरी टीम के मुख्य जांच अधिकारी ने मीडिया के समक्ष प्रथम दृष्टया बावन लाख पेंतालिस हजार रुपये गबन किये जाने की पुष्टि की थी और यह भी कहा था कि सघन छानबीन के बाद यह आंकड़ा बढ़ भी सकता है और जल्द ही आरोपियों पर थाने में प्राथमिकी दर्ज कर आगे कार्यवाही की जायेगी।

ईमानदारी से होता था बंटवारा

शिक्षा विभाग में घोटाले पर विश्वस्त सूत्र बता रहे हैं कि जिस ऑपरेटर ने घोटाला किया है उसके खाते में घोटाले की राशि पिछले कई सालों से निहायत ईमानदारी से जिस दिन राशि डाली गई उसी दिन आहरित कर घोटाले में शामिल कर्मचारियों के बीच बंदरबांट भी कर ली जाती रही।

अपने कर्तव्य के प्रति कितनी गंभीर थी बीईओ

ऐसे में गंभीर प्रश्न यह कि वर्तमान बीईओ जिनको महीने भर में कम से कम पंद्रह से बीस स्कूलों का दौरा कर शिक्षण व्यवस्था देखने की जिम्मेदारी भी है, अगर पूर्व के साथ वर्तमान बीईओ फील्ड में जातीं तो कौन शिक्षक कहाँ पदस्थ है और वो कौन चेहरा-नाम है से अपडेट होतीं, तो पिछले कई सालों से मृत शिक्षकों के नाम संकुलवार पे-बिल जिसमें रेगुलर शिक्षकों के नाम के बाद बीईओ के इनिसियल सिग्नेचर किये जाते हैं के बाद ही संबंधितों के खाते में वेतन की राशि डाली जाती है, तब फर्जी या मृत शिक्षकों की पहचान कर इस बड़े फर्जीवाड़े को पकड़ा जा सकता था और अगर ऐसा होता तो निश्चित तौर से वर्तमान बीईओ को सरकार न सिर्फ पुरुस्कृत करती बल्कि उच्च पद भी प्रदान करती जिससे जिले सहित निवास शिक्षा विभाग का नाम भी रोशन होता।

वेतन पत्रकों का क्यों नहीं हुआ मिलान

क्या वर्तमान बीईओ हर महीने शिक्षकों के द्वारा दिये जाने वाले वेतन पत्रक का मिलान नहीं करतीं रहीं या फिर वही से मृतक लोगों के वेतन बनकर आ रहे थे जो ऑपरेटर के द्वारा भुगतान किया गया क्या कैश बुक में उन शिक्षकों का नाम नहीं लिखा जाता है जिनके खाते में राशि जाती है और यदि लिखा जाता है तो विकासखंड शिक्षा अधिकारी के हस्ताक्षर नहीं होते हैं, और यदि हस्ताक्षर होते हैं तो फिर यह क्यों नहीं पकड़ा गया कि मृतक के खाते में राशि जा रही है या उनके नाम से फर्जी तनख्वाह की राशि निकाली जा रही है या फिर यह सब जिम्मेदार पदों पर बैठे अधिकारियों की मिली भगत से हुआ है।

कम्पयूर ऑपरेटर को बना रहे बलि का बकरा

पिछले ढाई सप्ताह पूर्व उजागर हुए संगठित गबन में कंप्यूटर ऑपरेटर को बलि का बकरा बनाया जाकर खंड शिक्षा अधिकारी,लेखा शाखा कर्मचारी व अन्य लिप्त कर्मचारियों को मामले से शुरक्षित करने के अलावा और कुछ नहीं लगता।

क्या चल रही जांच में बीईओ, लेखपाल और उनके स्टाफ के रहते सही जांच हो सकती है और क्या ये सब इस मामले में बेदाग हो सकते हैं, ये बड़े यक्ष प्रश्न है, या फिर उनको पहले हटाया जाना था तब जांच निष्पक्ष होती ये तो जांच दल ही जाने लेकिन इस जांच के चलते सरकारी कर्मचारी मास्टरों का कोई काम नहीं हो रहा है जानकारी तो यहां तक है कि कुछ शिक्षकों के अलावा भृत्यों के अभी तक वेतन नहीं हुए हैं एक संविदा शिक्षिका जो प्रसूति अवकाश पर है उसका पिछले 6 माह से वेतन नहीं मिला है कुछ शिक्षकों ने शादी के चलते जीपीएफ की राशि निकलवाने हेतु दो दो महीने से आवेदन दे रखा है किंतु आज तक उसका भुगतान नहीं किया गया, जांच की आड़ में शिक्षकों के कार्य रोके जा रहे हैं उक्त कार्यालय में कुछ दक्षिणा लेकर चुपके 2 कुछ कार्य भी किये जा रहे हैं।

और कितना समय लगेगा जांच के लिये

जांच टीम के द्वारा की जा रही जांच को पूरा एक महीना होने जा रहा है क्या जांच पूरी नहीं हो पाई या फिर कोई और बात है जो अभी तक मामला दर्ज नहीं कराया जा रहा है या भ्रष्टों को किसी का संरक्षण मिलने के चलते बचाने का प्रयास किया जा रहा है, पूर्व सहित दो दिन पहले आई जांच टीम ने भी जांच की पर इन्वेस्टिगेशन टीम का अभी तक कोई निष्कर्ष पर न पहुंचना संदेह को जन्म देता है।

मतगणना की समस्त तैयारियों को अंतिम रूप दें-डॉ. सिडाना

*** नोडल अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर के निर्देश।**

रिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के तहत मंडला संसदीय क्षेत्र के बिछिया, निवास तथा मंडला विधानसभा क्षेत्रों के मतों की गणना 4 जून को शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में की जाएगी। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सलोनी सिडाना ने जिला योजना भवन में सभी नोडल अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने कहा कि मतगणना संबंधी सभी तैयारियों को अंतिम रूप दें। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर एवं उपजिला निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त कलेक्टर अरविंद सिंह, एवं हुनेन्द्र घोरमारे सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि मतगणना स्थल पर सभी आवश्यक तैयारियां 30 मई तक पूर्ण करें। ईव्हीएम के मार्ग में सीसीटीव्ही की व्यवस्था करें। उन्होंने मतगणना स्थल की सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी कमरों में कूलर आदि की व्यवस्था करें। मतगणना स्थल पर विधानसभावार पृथक-पृथक रंगों का उपयोग करते हुए आवश्यक संकेतक लगाएं। इसी प्रकार परिचय पत्र में भी विधानसभावार कलर कोडिंग करें। मतगणना से संबंधित प्रशिक्षणों के लिए कैलेंडर तैयार करें। डॉ. सिडाना ने कहा कि पॉलीटेक्निक परिसर में अस्थायी अस्पताल तैयार करें। मतगणना के दौरान सभी कक्षों में प्राथमिक दवाईयों के किट रखें। कलेक्टर ने मानव संसाधन, मीडिया रूम, सीलिंग, पोस्टल बैलेट, स्ट्रॉंग रूम मैनेजमेंट, ईव्हीएम मैनेजमेंट, लॉ-एण्ड ऑर्डर, वेलफेयर मैनेजमेंट, विद्युत व्यवस्था, वीडियोग्राफी एवं सीसीटीव्ही कार्य आदि के संबंध में विस्तार से चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देशित किया कि मतगणना के लिए नियत स्थल शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज परिसर में मोबाईल फ़ोन का उपयोग वर्जित रहेगा।

गेहूँ उपार्जन की अंतिम तिथि में वृद्धि

मण्डला। जिला आपूर्ति अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार रबी विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन अब 31 मई 2024 तक किया जाएगा। पूर्व में गेहूं उपार्जन के लिए 20 मई 2024 की तिथि निर्धारित थी जिसमें वृद्धि की गई है।

हिरदेनगर में निः शुल्क नेत्र शिविर 2 जून को, चिन्हित नेत्र मरीजों का होगा निःशुल्क ऑपरेशन

मण्डला। जिला मुख्यालय से करीब पांच किमी दूर ग्राम हिरदेनगर में देव जी नेत्रालय जबलपुर द्वारा निःशुल्क नेत्र शिविर 02 जून को सुबह 11 से शाम 04 बजे तक आयोजित किया जाएगा। आयोजित नेत्र शिविर में ग्राम समेत आसपास के ग्रामों के लोगों को इसका लाभ मिलेगा। बताया गया कि आयोजित निःशुल्क नेत्र शिविर में मोतियाबिंद, कांचियाबिंद, अख्सूर, रेटीना एवं अन्य नेत्र रोगों का निःशुल्क जांच, परीक्षण किया जाएगा। इसके साथ ही जांच परीक्षण में चिन्हित मरीजों को निःशुल्क आपरेशन की सुविधा दी जाएगी। क्षेत्रीयजनों से अपील की गई है कि आयोजित निःशुल्क नेत्र शिविर में आकर इसका लाभ ले। शिविर में जांच, परीक्षण के लिए अपने साथ आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड, समग्र आईडी कार्ड, आयुष्मान कार्ड लेकर आए।

बच्चे खेल प्रतियोगिता के लिए कर रहे तैयारी

मण्डला। विकासखंड नारायणगंज में संचालित सीएम राइज विद्यालय में भोपाल संचालनालय के निर्देशानुसार और जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी रविन्द्र ठाकुर के आदेशानुसार 30 दिवसीय निःशुल्क खेल कूद शिविर का आयोजन 01 मई से किया जा रहा है। सीएम राईस स्कूल की प्राचार्य श्रीमती अर्चना नेमा द्वारा समय-समय पर खेल शिविर का निरीक्षण भी कर रही है। जिससे यहां के बच्चों को शिविर का लाभ मिल सके। बताया गया कि खेल शिविर विकासखंड खेल समन्वयक करुणा मर्सकोले के मार्गदर्शन में बच्चों को खेल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस खेल शिविर में हॉकी का प्रशिक्षण सुश्री सुजीता यादव और कबड्डी का प्रशिक्षण आरती मसराम द्वारा दिया जा रहा है। आयोजित खेल शिविर में बच्चे उत्साह के साथ भाग ले रहे है और खेल की बारिकीयों को सीख रहे है। विकासखंड खेल समन्वयक करूणा मर्सकोले ने बताया कि शिविर में खेल की बारिकीयां सीख रहे बच्चे आगामी समय में होने वाली खेल प्रतियोगिताओं के लिए तैयारी भी कर रहे है। जिससे बच्चे प्रतियोगिता में उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन कर सके। आयोजित खेल शिविर में प्रतिदिन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। खेल प्रशिक्षण सुबह 6 बजे से 8 बजे तक और शाम को 5 बजे से 6.30 आयोजित किया जा रहा है।

विडम्बना | **क्यों नहीं करते इन वृक्षों को स्थानांतरित।**

कैसे रूकेगा वृक्षों का कत्लेआम

*** कहां गये मानव अधिकार वाले।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मण्डला के महाराजपुर में दादा धनीराम आश्रम से आंगन तिराहा तक करीब एक किमी मार्ग में स्थित सैकड़ों पेड़ों पर कटने से बचाने की अपील के बैनर लगे हुए हैं। स्थानीय लोगों ने पेड़ों काटने से बचाने मार्मिक स्लोगन लिखे हैं।

मामला उपनगर महाराजपुर का है, जहां मुख्य मार्ग का चौड़ी करण कार्य शुरू हुआ है। सड़क निर्माण के लिए नगर-पालिका किनारे पर लगे पेड़ों को काट रही है। हरे-भरे पेड़ों के कटने से स्थानीय नागरिकों में नाराजगी है। उन्होंने प्रशासन को ज्ञापन सौंप कर पेड़ को काटने के बजाय कोई अन्य विकल्प व्यवस्था बनाने की मांग की है।

दरअसल, महाराजपुर में दादा धनीराम आश्रम से आंगन तिराहा तक की सड़क का कायाकल्प योजना के अंतर्गत चौड़ीकरण किया जा रहा है। इसमें सड़क की चौड़ाई को बढ़ा कर फुटपाथ बनाया जाएगा। यह कार्य महाराजपुर में दादा धनीराम आश्रम से आंगन तिराहा तक की सड़क का कायाकल्प योजना के अंतर्गत चौड़ीकरण किया जा रहा है। इसमें सड़क की चौड़ाई को बढ़ा कर फुटपाथ बनाया जाएगा। यह नगर का प्रमुख मार्ग है, बायपास बनने के पूर्व जबलपुर-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा था। साथ ही यह माँ नर्मदा के परिक्रमा पथ में भी आता है। यहां से हजारों परिक्रमा वासी प्रतिवर्ष गुजरते हैं। अभी इस मार्ग के दोनों ओर अनेक पेड़ व्यवस्थित ढंग से लगे हुए हैं। इनमें से कुछ तो 70-80 वर्ष से भी ज्यादा पुराने हैं। ये छायादार वृक्ष न केवल महाराजपुर की सुंदरता का प्रतीक हैं, बल्कि तपती दुपहरी में इसकी छाया रहगीरों को चैन और आराम भी देते है। ऐसे में इन्हें कटने से बचाने के लिए आमजन जुट गए है। स्थानीय लोगों ने बताया कि नपा की योजना के मुताबिक इस मार्ग के लगभग सभी पेड़ काटे जाने हैं।

68 पेड़ काटने के लिए चिह्नित

स्थानीय निवासी और वरिष्ठ भाजपा नेता सुधीर कसार ने बताया कि रोड चौड़ीकरण का कार्य सराहनीय है, लेकिन इसके लिए हरे-भरे पेड़ों को काटा जाना अन्याय है। नपा ने करीब 68 पेड़ काटने के लिए चिह्नित किए हैं। हमने इन्हें बचाने के लिए ज्ञापन दिया है, जिसमें मांग की है कि जो पेड़ सड़क के किनारे आते हैं उन्हें काटा न जाए और जो पेड़ सड़क की सीमा में आ रहे हैं, उन्होंने काटने के बजाय किनारे शिफ्ट किया जाए।

सामाजिक कार्यकर्ता विनय दुबे का कहना है कि योजनाबद्ध तरीके से शहर का विकास नहीं हो रहा है। पहले हम बदहाल सडकों के लिए रोना रो रहे थे अब पेड़ों की कटाई की वजह से छाती पीटनी पड़ रही है। हमारा महाराजपुर फलदार और छायादार पेड़ों से सुसज्जित रहा है, लेकिन जल्द ही हम उन्हें नहीं देख पाएंगे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण और पेड़ों को बचाने के लिए स्मार्ट उपाय खोजना चाहिए। नई तकनीक का सहारा लेकर पेड़ों को शिफ्ट किया जा सकता है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी गजानन नाफड़े ने बताया कि कायाकल्प योजना के अंतर्गत महाराजपुर में सड़क चौड़ीकरण कार्य किया जा रहा है। इसमें जो पेड़ सड़क के डामरीकरण के बीच आ रहे हैं, वे दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। इसलिए उन्हें काटा जाएगा, लेकिन जो सड़क के किनारे जहां पेवर ब्लॉक लगने हैं वहां के पेड़ नहीं काटे जाएंगे। उन्होंने बताया कि पहले प्रोजेक्ट में काफी पेड़ कटने थे, अब करीब 36 पेड़ ही काटे जाने हैं। भरपाई के लिए वृक्षारोपण भी किया जाएगा

पेयजल की समस्या से नहीं मिल रहा निजात

*** समस्या समाधान के लिए सीईओ बिछिया को सौंपा ज्ञापन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

विकासखंड बिछिया के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सिझौरा में करीब डेढ़ माह से पेयजल संकट बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नलजल योजना ठप्प पड़ी है। समस्या से संबंधित कई बार संबंधित विभाग और मुख्य कार्यपालन अधिकारी बिछिया, एसडीएम बिछिया, जिला पंचायत सीईओ को पत्राचार किया जा चुका है। लेकिन आज दिनांक तक कोई सफल प्रयास दिखाई नहीं दे रहा है। जिससे सिझौरा ग्राम वासियों को पीने के पानी के लिए जदोजहद करनी पड़ रही है।

जानकारी अनुसार विगत डेढ़ माह से पानी की समस्या के लिए सिझौरा के वंदिशे परेशान हो रहे है। यहां के लोगों को जरूरत के अनुसार पानी हैंडपंप और कुआं से नहीं मिल पा रहा है। लंबे समय से पानी की समस्या होने के बाद भी जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं। पीएचई विभाग द्वारा पानी के लिए बोर तो कराए है, लेकिन उससे पानी की सप्लाई शुरू करने में कई प्रकार की समस्या आ रही हैं। कहीं पर्याप्त जलस्त्रोत नहीं मिल रहा है तो कहीं पाइप व अन्य समस्याओ के कारण कारण घर-घर पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।

बताया गया कि इस विकट समस्या को देखते हुए एक बार फिर ग्राम शक्ति संगठन सिझौरा की महिला कार्यकर्ताओं के साथ ग्राम की करीब एक दर्जन से अधिक महिलाओं ने जनपद पंचायत बिछिया सीईओ के नाम ज्ञापन सौंपा है। ग्रामवासियों का कहना है कि ग्राम सिझौरा तहसील बिछिया में 45 दिनों से नल जल योजना बंद होने के कारण पीने के पानी की समास्या बनी हुई है। ग्राम पंचायत सिझौरा के निवासियों ने समस्या के समाधान के लिए पंचायत को बार-बार अवगत कराया है, लेकिन पंचायत के द्वारा भी किसी भी प्रकार से ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम सिझौरा में पेयजल समस्या को देखते हुए पानी के टैंकर की व्यवस्था भी अब तक नहीं की गई। जबकि जिला प्रशासन ने पेयजल संकट वाले क्षेत्र को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद भी इस भीषण गर्मी के दिनो में पानी के लिए टैंकर की व्यवस्था नहीं की जा रही है। ज्ञापन देकर मांग की गई है कि जल्द से जल्द पानी की समास्या का समाधान किया जाए जिससे ग्रामवासियों को पानी की समास्या का सामना न करना पड़े।

खबर संक्षेप

सांईखेड़ा क्षेत्र में कागजों के भरोसे चलते हुए नजर आ रही आंगनबाडी संबंधित योजनाएं

सांईखेड़ा। शहरों के साथ साथ सरकार द्वारा ग्रामीण महिलाओं व बच्चों को अनेक प्रकार के लाभ देने के उद्वेश्य से करोड़ो रूपया खर्च आगंनवाड़ी केन्द्रो की स्थाना की गई है,मगर देखनें में आता है कि ग्रामीण अंचलों मे संचालित आंगनबाडियों का फायदा महिलाओं व बच्चों को नही मिल पा रहा है? जबकि महिला बाल विभाग के माध्यम से संचालित होने वाले इन योजनाएं के नाम पर सरकार द्वारा प्रति वर्ष करोडो रूपए खर्च कर जन हितैषी योजनाए बनाती है मगर वह योजनाएं मात्र कागजो तक ही सीमित होने के चलते शासन की राशि बर्बाद ही होते हुए दिखाई देने लगी है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत अनेक गांवों में संचालित होने वाले आंगनवाड़ी केन्द्रो में आसानी से देखने मिली सकती है? बताया जाता है कि क्षेत्र के अनेक आंगनबाडियों में मासूम बच्चों को न तो पौष्टिक आहार मिल पा रहा है और न पढाई की सुविधा मिल रही है। वही दूसरी ओर गर्भवती महिलाओं को इन केन्द्रों से समय समय पर जो लाभ मिलना चाहिए था वही भी कोसो दूर दिखाई देने के साथ साथ मात्र कागजों पर चलते हुये देखने मिल रहा है? जबकि केन्द्रों के कागजों के हिसाब से देखा जावे तो उनकी खाना पूर्ति पूर्णरूप से होती रहती है, जिसके चलते ग्रामीणों का आरोप है कि महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी, केंद्र प्रभारियों की सांठ गांठ से फर्जी बिल,आंकडे तैयार कर प्रतिवर्ष लाखों रूपए गोलमाल होना आम चर्चा बन चुका है? इस प्रकार से अनेक केंद्रों पर मनमर्जी इस प्रकार से देखने मिलती रही है कि आंगनबाडी केंद्र कब खुलते है और कब बंद होते है और इन केन्द्रो पर कितने बच्चे पढ़ाई करने के एलि पहुंचते है, जबकि कागजों के हिसाब से दर्ज संख्या के अनुसार बच्चों की प्रतिदिन उपस्थिति दिखाई देने से नही चूकती है, वही अधिकारियों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा इनका निरीक्षण सिर्फ शासकीय गाड़ियों में घूमते हुए औपचारिकत पूर्ण ही देखने मिलता है।

पर्यावरण के साथ हो रही खिलवाड़ का परिणाम

हर वर्ष तापमान में बढ़ोत्तरी, लगातार गिर रहे जमीन के नीचे का जल स्तर, गर्मी आने के पहले सूख जाते हैं नदी नाले

खुलरी

लगातार मानव जीवन भौतिकवादी सुख सुविधाओं की ओर दौड़ रहा है और प्रकृति के साथ हो रही खिलवाड़ का परिणाम है कि आने वाला भविष्य संकटों से भरा होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? क्योंकि पर्यावरण के साथ होने वाली खिलबाड़ के चलते प्रतिवर्ष देखा जा रहा है कि जहां तापमान में बढ़ोत्तरी हो रही है तो वही दूसरी ओर लगातार गिर ररे जमीन के नीचे के जल स्तर के चलते स्थिति इस प्रकार से निर्मित होने लगी है कि बीते हुये कुछ वर्षो से देखा जा रहा है कि हर साल गर्मी आने के पहले ही नदी नाले दम तोड़ने से नही चूकते है। इसी का परिणाम है कि वन्य जींव जन्तुओं के साथ साथ मानव पर भी विपरित असर पड़ने से नही चूक रहा है। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि मंचों के माध्यम से लोगों को अच्छी बाते कहते हुये जरूर देखा जाता है। मगर यदि वास्तविकता पर गौर किया जावे तो उनके द्वारा कहे जाने वाली बाते सिर्फ मंचों तक ही सीमित रहने के कारण पृथ्वी पर निवास करने वाला जीवन संकटों से घिरता चला जा रहा है। कहने के लिये तो लोग पर्यावरण की रक्षा के नाम पर पौधा रोपण करते हुये एक पौधा के साथ एक दर्जन लोग अपनी फोटो निकलवा कर अखबारों की सुर्खियों में छाने की कोई कसर नही छोड़ते है। मगर शायद ही कभी किसी व्यक्ति द्वारा जिस पौधा को रोपते हुये फोटो निकलवायी गई थी उस पौधा की खबर लेने का प्रयास किया गया हो कि आखिर कार उनके द्वारा रौपा गया पौधा बचा ही कि सूख गया? इस प्रकार से देखा जावे तो जहां लोगों द्वारा एक पौधा रोपने के नाम पर निश्चित ही वाही वाही लूटी जाती है। मगर जिस प्रकार से लगातार हरे भरे वृक्षों की कटाई हो रही है उसे रोकने के लिये किसी के द्वारा प्रयास नही किया जाते है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो किसी पेड़ को कटने से रोकने में सफल हो जाना पचास पौधा रोपने से बड़ा कार्य माना जा सकता है। मगर इस सच्चाई को नजर अंदाज किये जाने का परिणाम है कि जहां लगातार जंगलों की धडल्ले से अवैध कटाई होती चली जा रही है और हर वर्ष बारिश के मौसम में हमें अच्छी बरसात देखने से बंचित रहना पड़ रहा है। क्षेत्र में अच्छी बारिश नही होने के कारण ही लगातार नदी नाले जहां गर्मी का मौसम आने के पहले सूख जाते है। पहले देखा जाता था कि जब चार माह बारिश चलती थी तो गांवों के नदी नालों में बारह माह पानी भरा रहने से संपूर्ण जींव जन्तु गर्मी के मौसम में उन नदियों से पानी पीते हुये अपनी प्यासे बुझाते थें। मगर अब पर्यावरण से हो रही खिलवाड़ के चलते जहां हर वर्ष बारिश के क्रम में कमी देखने मिल रही है वही दूसरी ओर तामपान में प्रतिवर्ष बढ़ोत्तरी होने के कारण मानव जीवन के साथ साथ जंगली जानवरों की जिन्दगी भी खतरे में पड़ने से नही बच पा रही है? इतना ही नही यदि नदियों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो लोगों द्वारा नर्मदा नदी सहित क्षेत्र के अन्य नदियों में किये जाने वाले रेत के खनन का परिणाम है कि जहां नदियों में पानी की समस्या पैदा होने लगी है वही दूसरी ओर नर्मदा नदी की धाराएं भी समटने से नही चूक रही है? वही गांवों में देखा जावे तो नदी नालों की स्थिति इस प्रकार से बनते हुये देखी जाती है कि गर्मी का मौसम तो दूर ठंड के मासूम में ही नदी नाले कचरा घर के रूप में दिखाई देने से नही चूक रहे है, नदी नालों में होने वाले अवैध खनन व अमूल्य माने जाने वाले जल के दोहन के चलते जमीन के नीचे के जल स्तर में प्रतिवर्ष गिरावट आने के चलते आने वाला भविष्य निश्चित ही संकटों भरा होने से नही चूकेगा? यदि लोग इस प्रकार से लगातार हो रही पर्यावरण के साथ खिलवाड़ को नजर अंदाज किया जाता रहा तो हमे अनेक प्रकार के संकटों से जूझने के लिये मजबूर होना पड़ेगा। इस प्रकार से लगातार बिगड़ रहे पर्यावरण की सच्चाई को लेकर जब क्षेत्र के युवाओं से चर्चा की गई तो उनके द्वारा पर्यावरण के साथ हो रही खिलबाड़ को लेकर ग्राम खुलरी निवासी युवा समाज सेवी अशोक पटैल का कहना है कि जिस प्रकार से हर वर्ष तापमान में बढ़ोत्तरी हो रही है वह निश्चित ही भविष्य के लिये खतरा की घंटी है। यदि समय रहते हुये सचेत नही हुये तो आने वाला समय मानव जीवन के लिये चुनौती भरा होगा। इसी प्रकार से युवा पत्रकार सन्ना खान का कहना है कि जिस प्रकार से निर्माण कार्यो के चलते लोगों द्वारा पेड़ पौधें काटे जा रहे है उसे अनुपात में पौधारोपण नही हो रहा है इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि लोगों द्वारा पौधा रोपण नही किया जा रहा है, पौधा रोपण तो किया जाता है। मगर वह पौधा रोपण मात्र एक फेशन बन चुका है जिसके चलते पौधा रोपण के बाद उसकी ओर ध्यान नही दिया जाता है जिसके चलते रोपा गया पौधा पेड़ का स्वरूप नही ले पा रहा है। वही दूसरी ओर पेड़ो पर कुल्हाडी चलने से नही रूक पा रही है उसकी ओर किसी के द्वारा भी ध्यान नही दिया जाना चिंता जनक सच्चाई को उजगार करने से नही चूक पा रहा है। यदि यही स्थिति बनी रही तो निश्चित ही हमारा आने वाला जीवन संकटों के बीच घिरा हुआ दिखाई देने से नही बच पायेगा। वही ग्राम महगंवा निवासी समाजसेवी शैलेन्द्र कौरव का कहना है कि जिस प्रकार से लोगों द्वारा जल स्त्रोतो का अपने निजी स्वार्थ के लिये दोहन किया जा रहा है उसके चलते वह समय के पहले सूखने से नही बच पा रहे है। जल स्त्रोतों के सूखने से आज जंगली जानवर जहां गांवों की ओर रूख करते हुये देखे जा रहे है इस स्थिति में जंगली जानवरों के साथ साथ आम लोगों की जिन्दगी भी खतरे में पड़ने से नही चूक रही है। वही ग्राम भौरझिर निवासी युवा तुलसीराम राठौर का मानना है कि इस प्रकार से प्रकृति द्वारा बनाये गये सनसाधनों के साथ हो रही खिलबाड़ पर अंकुश लगाने के लिये शासन को सख्त रवैया अपनाना चाहिये जिससे लोगों द्वारा प्रकृति द्वारा बनाये गये साधनों का दुरूपयोग करने व हरे भरे पेड़ो पर कुल्हाडी चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही होना चाहिये जिससे पर्यावरण की रक्षा की जा सके। इस तरह प्रकृति की रक्षा के लिये कड़े कानून बनाकर उनका पालन सुनिश्चित करने की आवश्यकता है तभी पर्यावरण की रक्षा हो पाना संभव है।

ग्रामीण क्षेत्रों में आये दिन कई घंटों तक हो रही बिजली कटौती, अटल ज्योति योजना पर खड़े हो रही सवाल?

साईंखेड़ा। जहां एक ओर सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को 24 घंटे बिजली उलब्ध कराने हेतु बड़ी ही जोर शोर से अटल ज्योति योजना का शुभारंभ किया गया था, मगर इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में आये दिन लगातार कई घंटों तक हो रही बिजली कटौती के चलते जहां लोग परेशन होते हुए देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर सरकार की अटल ज्योति योजना पर लोगों द्वारा सबाल खड़े करते हुए इसे अटक ज्योति योजना का नाम दिये जाने लगा है? इस संबंध में बताया जाता है कि सांईखेड़ा नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में हो रही बिजली कटौती के चलते जहां आम लोग परेशान हो रहे है वही दूसरी ओर इस समय पड़ रही भीषण गर्मी के दौरान लोगों की नींद हराम होती चली जा रही है। वही लोगों का कहना है कि यदि आने वाले और भीषण गर्मी के दिनों में यदि बिजली कटौती का यही आलम बना रहा तो लोगों का जीना मुश्किल हो जावेगा? जानकरी के अनुसार दिन और रात में की जा रही बिजली कटौती के कारण बच्चों बुर्जुगों के साथ महिलाओं की नींद उड़ गई है, इस संबंध में जब विद्युत वितरण कंपनी के कार्यालय एवं पावर हाउस में में बिजली कटौती को लेकर संपर्क किया जाता है तो वहा से एक ही जबाब मिलता है कि लाईन गाडरवारा से बिजली बंद होने के कारण हम कुछ नही बता सकते है या फिर कह दिया जाता है कि मेंनेटेन्स चल रहा है इस लिए बिजली बंद है? इस प्रकार से सुधार कार्य के नाम पर आये दिन कई घंटों तक बिजली बंद की जा रही है जिसके चलते जहां ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति तो प्रभावित होते हुए देखा जाता है, वही किसान भी अपने खेतों में लगाई गई गन्ना सहित अन्य फसलों में पानी देने के लिए परेशान होते हुए देखे जा रहे है।

सड़कों पर पड़ी सामग्री से हो रहे आवागमन अवरूद्ध

गाडरवारा। सड़को पर पड़ी निर्माण सामग्री लोगों के आवागमन को अवरूद्ध करते हैं, संकीर्ण चौड़ाई वाले क्षेत्रों में या तो फुटपाथी दुकानदार बैठकर संकीर्णता पैदा करते हैं वही लोगों द्वारा सड़को पर डाली निर्माण सामग्री या गंदगी भी ऐसा अवरोध पैदा करती हैं, सड़कों का इस तरह का उपयोग नई बात नहीं है, हालांकि ऐसा करना वैधानिक भी नहीं है, परंतु कार्यवाही के अभाव में ऐसा किया जाना वैधानिक जैसा लगने लगा है और करने वाले सड़कों पर अपना अधिकार समझने लगे है। जिसका परिणाम है कि सड़कों पर यत्र चत्र निर्माण सामग्री भरी पड़ी रहती है। यह निर्माण सामग्री निजी मकानों की हो या फिर चल रही प्रधानमंत्री आवासों के निर्माण की मगर नगर में जहां तहां निर्माण कार्य के चलते ठेकेदारो द्वारा डाली गई हो जो आम लोगों के लिए परेशानी का कारण साबित होते हुए देखी जा रही है, इस प्रकार से सड़को पर नियम विरूद्व डाली जा रही निर्माण सामग्री के चलते जहां सड़क का आधा भाग ऐसी सामग्री के चलते अवरूद्ध रहता है, वहीं शेष आधी सड़क से आने जाने वालों की यातायात हो पाता है जो कष्ट दायक व परेशानी भरा होता है, कुछेक सड़क किनारे बने मकानों के बाशिंदे भी सड़क को आंगन के रूप में इस्तेमाल करने से नहीं चूकते है? जबकि गौर किया जावे तो नगरपालिका के पास यह अधिकार है कि वह सडको पर डाले गये ऐसे सामानों को जब्त कर ले पर वह अपने अधिकारों के उपयोग को करने में कंजूसी करती है जिसके चलते लोगों के हौसले बुलंद होते जा रहे है और वह सड़को पर अपना कब्जा जमाते हुए चले जा रहे है, इस स्थिति के चलते नगरवासियों ने प्रशसन के साथ साथ नपा प्रशासन से अपेक्षा व्यक्त की गई है कि वह मुख्य सड़क मार्गों के ऐसे अवरोधों को दूर करने के प्रयास किये जायंअ ताकि आवागमन अवरूद्ध न हो।

परिवहन विभाग द्वारा 5 हाईवा वाहनों पर चालानी कार्रवाई, कार्यवाही करने पहुंचे अधिकारी व एनटीपीसी से जुडे व्यक्ति के बीच हुये वार्तालाप का वायरल विडियो बना चर्चा का विषय...?

गाडरवारा। इन दिनों गाडरवारा क्षेत्र में जिस तरह राख ढोने वाले ओवर लोड़िग वाहनों की जिस तरह धमचौकड़ी मची हुई देखी जा रही है। उसके चलते जहां क्षेत्र की सड़के तो खराब हो ही रही है दूसरी ओर आम लोगों की जिन्दगी को खतरा पैदा होने से नही चूक रहा है? इस तरह दौड़ रही भारी भरकम ओवर लोडिंग डम्फरों को लेकर क्षेत्र में लगातार विरोध की स्थिति बनते हुये देखी जा रही है। वही दूसरी ओर इस सच्चाई को मीडिया द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद भी कार्यवाही की गति धीमी होने के चलते आमजन द्वारा परिवहन विभाग के अधिकारियों की भूमिका पर सबाल खड़े किये जाने लगे थें? क्योंकि गाडरवारा क्षेत्र में जिस स्थिति में भारी भरकम दौड़ते हुये देखे जा रहे है उनकी स्थिति इस तरह से बनी हुई है कि डम्फरों के माध्यम से राख का परिवहन करने वाले लोगों द्वारा अपने डम्फरों की ट्राली का अतिरिक्त निर्माण कराते हुये उन्हें सड़को पर दौड़ाया जा रहा है। जबकि नियम के अनुसार तो बताया जाता है कि परिवहन विभाग द्वारा किसी भी वाहन का पंजीयन करता है तो कंपनी द्वारा प्रदान किये जाने वाली स्थिति के हिसाब से करता है। उस वाहन में कंपनी के आलवा अन्य किसी तरह परिवहन करने के लिये अतिरिक्त निर्माण किया जाता है तो वह यातायात नियमों के विपरीत माना जाता है। मगर क्षेत्र में जिस तरह हाईवा डम्फरों की ट्रालियों में अतिरिक्त निर्माण कराते हुये उनके माध्यम से ओवर लोडिंग स्थिति में राख का परिवहन किया जा रहा है वह जहां परिवहन नियमों के विपरित बताते हुये क्षेत्र के लोगों द्वारा इसका विरोध किया जा रहा है? इसी बात को लेकर बीते हुये दिवस जब जिले के परिवहन अधिकारी इस तरह अपनी ट्रालियों में अतिरिक्त निर्माण कराते हुये परिवहन किये जा रहे डम्फरों व हाईवाओं के खिलाफ एनटीपीसी क्षेत्र में कार्यवाही करने पहुंचे परिवहन अधिकारी व एनटीपीसी से राख का परिहवन के कार्य से संबंध रखने वाले अधिकारी के बीच हुई तीखी नोक झोक का सोशल मीडिया पर जो विडियों वायरल हो रहा है वह चर्चा का विषय बनने से नही चूक रहा है? इस वायरल विडियों ने यहां पर चल रहे ओवर लोडिंग परिवहन की सच्चाई को उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ी गई है? क्योंकि परिवहन अधिकारी से जिस प्रकार राख परिवहन के कारोबार से जुडे हुये अधिकारी द्वारा अपनी बहस के दौरान यह बात कहते हुये सुना जा रहा है कि मुझे पावर मिनिस्टरी से आदेश है तो दूसरी ओर संपूर्ण प्रदेश में ओवर लोडिंग वाहन दौड़ रहे हे और आपको सिर्फ एनटीपीसी के डम्फर ही नजर आ रहे है? इस वार्तालाप के दौरान बोले गये यह शब्द इस बात को स्पष्ट करते हुये प्रतीत होने से नही चूक रहे है कि प्रदेश की भांति हम भी ओवर लोडिंग वाहन चलायेगे..? वही दूसरी जिस तरह डम्फरों के परिवहन कार्य से जुडे हुये अधिकारी को यह बात कहते हुये सुना जा रहा है कि हमे तो पावर आफ मिनिस्टरी से ही आदेश है तो फिर क्या इस तरह ओवर लोडिंग दौड़ने वाले डम्फरों के कृत्य को मंत्रियों का संरक्षण मिल रहा है? खैर सच्चाई जो भी हो उसे तो भगवान ही जाने? मगर बीते हुये दिवस जिला परिवहन अधिकारी द्वारा फ्लाईएश के वाहनों के संबंध में ओवर लोडिंग/ एक्स्ट्रा बॉडी की शिकायत पर प्राप्त होने पर परिवहन विभाग द्वारा 5 हाईवा वाहनों पर चालानी कार्रवाई करते हुए 57 हजार 500 रुपये का समन शुल्क वसूल किया गया है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि एनटीपीसी से प्लाईएश ढोने वाले फ्लाईएश के वाहनों के संबंध में ओवरलोडिंग/ एक्स्ट्रा बॉडी की शिकायत प्राप्त हो रही थी। इसी के चलते परिवहन विभाग द्वारा आकस्मिक चैकिंग करने के लिए एनटीपीसी के बाहर स्थित रोड पर चैकिंग अभियान छोड़ा गया तो इस दौरान 5 हाईवा पाये गये जिनमें एक्स्ट्रा बॉडी लगी थी। कार्रवाई के दौरान एक्स्ट्रा बॉडी वाले वाहनों पर चालानी कार्रवाई की गई। उक्त कार्रवाई में 5 वाहनों से 57 हजार 500 रुपये का समन शुल्क वसूल किया गया। इस संबंध में जिला परिवहन अधिकारी जितेन्द्र शर्मा द्वारा बताया कि परिवहन विभाग द्वारा शिकायत मिलने पर नियमानुसार समय- समय पर निरंतर कार्यवाही की जा रही है और आगे भी की जावेगी। क्षेत्र में किसी भी प्रकार से ओवर लोडिंग वाहन या फिर एक्स्ट्रा बॉडी लगे वाहनों का परिचलन नही होने दिया जावेगा। इस प्रकार से देखा जावे तो परिवहन विभाग अधिकारी द्वारा आमजन की शिकायतों को लकर ओवर लोडिंग व डम्फरों की ट्रालियों में अतिरिक्त निर्माण करते हुये किये जा रहे परिवहन को लेकर कार्यवाही तो कर दी गई है। मगर जिस तरह वायरल वीड़ियों में एनटीपीसी से राख ढोने वाले कार्य से जुड़े हुये व्यक्ति द्वारा जिला परिवहन अधिकारी को अपनी वार्तालाप के दौरान परिवहन विभाग की कार्यवाही को गलत बताते हुये बडे अधिकारियों से शिकायत करने की दम देने के साथ मिनिस्टरी से पावर होने की बात कहते हुये सुना जा रहा है। उसको लेकर अब सबाल यह पैदा हो रहा है।

मुख्य मार्ग पर सड़क किनारे खड़े रहने वाले बडे वाहन बन रहे परेशानी का कारण

गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि जिस ताह से सड़कों पर यातायात बढ़ रहा है उसके चलते आये दिन घटनाएं घटित होना आम बात होती चली जा रही है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो गाडरवारा पिपरिया मार्ग पर जिस प्रकार से बड़े वाहनों की धमाचौकड़ी मची हुई उसके चलते आये दिन घटित होने वाली घटनाओं के चलते आम लोगों की जान खतरे में पड़ रही है, मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि इस मार्ग पर सड़क किनारे बने हुए ढ़ाबो पर जिस प्रकार से सड़क किनारे बड़े वाहन खड़े रहते है उसके चलते यातायात प्रभावित तो हो ही रहा है साथ ही साथ आम लोगों की जिन्दगी भी खतरे से खाली नही है? बताया जाता है कि नगर के समीप शांति दूत तिरहा के पास से लेकर कामती की ओर जाने वाले मार्ग पर बडे वाहनों में ट्रक व डम्फर इस प्रकार से खड़े कर दिये जाते है जिसके चलते जब यहां से छोटे वाहनों व स्कूली बच्चों का निकलना होता है तो उन्हें आगे का मार्ग दिखाई ही नही पड़ता है। कुछ इसी प्रकार का हाल इस मार्ग पर कामती व सांईखेड़ा की ओर जाते वक्त रास्ते में पड़ने वाले ढ़ाबों के पास देखा जाता है जहां पर दिन दिन भर इन बड़े वाहन चालको द्वारा अपने वाहनों को सड़क के किनारे खड़ा करते हुए भोजन करने में लग जाते है और आम लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए छोड़ दिया जाता है। इस प्रकार से सड़क किनारे खडे होने वाले वाहनों की ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने से लग रहा है कि शायद प्रशासन द्वारा किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने का इंतजार किया जा रहा हो? क्योंकि सड़को के किनारे ढ़ाबाओं का संचालन करने वालो द्वारा अपने स्वार्थ के चलते कारोबार तो किया जा रहा है मगर उनके द्वारा इन वाहनों के पार्किंग हेतु कोई उचित व्यवस्था नही बनाई गई है जिसके चलते वाहन चालक सड़क किनारे ही अपने वाहनों को खड़ा करने से नही चूकते है? इस सच्चाई को लेकर प्रशासन से अपेक्षा व्यक्त की जा रही है कि नगर के आमगांव नाका शांतिदूत तिरहा सहित इस मार्ग के ढ़ाबो के सामने सड़क किनारे खड़े होने वाले वाहनों पर अंकुश लगाया जावे जिससे किसी बड़ी घटना को घटित होने के पहले रोक लग सके, यदि समय रहते हुए प्रशासन द्वारा इस ओर ध्यान नही दिया गया तो निश्चित किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है।

ट्रेक्टर ट्रालियों में ओवर लोडिंग हो रहे मिट्टी परिहवन से सड़को पर गिरने वाली मिट्टी बन रही परेशानी का

सालीचौका। इस समय नगर की सड़कों पर देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से नियम विरूद्व ट्रेक्टरों का परि संचलन किया जा रहा है उस ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने का परिणाम यह है कि ट्रेक्टरों के संचालक पूर्णरूप से अपनी मनमानी पर उतारू होकर आम लोगों तथा नगरवासियों की जिन्दगी को खतरे में डालते हुए देखे जा रहा है? यदि इन ट्रेक्टरों के संचालन की स्थिति पर गौर किया जावे तो यहां पर अनेक ट्रेक्टर कृषि कार्य के नाम पर रजि. होने के बाद भी अन्य कार्यो में लगे हुए है? मगर प्रशासन का ठुलमुल रवैया होने के कारण इन ट्रेक्टर चालको के हौसले बुलंद देखे जा रहे है? इतना नही आये दिन दिखा जाता है कि जब इन ट्रेक्टरों से मिट्टी, रेत व गिट्टी की ठुलाई करते हुए नगर में प्रवेश करते है तो इन ट्रेक्टरों को इस प्रकार के नाबांलिक बच्चों द्वारा दौड़ाते हुए देखा जाता है कि जिनके पैर न तो ब्रेक तक पहुंच पाते है और न ही उनकी उम्र वाहन चलाने की होती है? इसके बाद भी प्रशासन की कुम्भ कर्णी निंद्रा का परिणाम है कि उनके द्वारा छूट प्रदान किये जाने के कारण यह लोग आम लोगों की जिन्दगी को खतरे में डालते हुए देखे जा रहे है? वही अक्सर नगर की सड़कों पर इन ट्रेक्टरों का संचालन होते हुए उस समय देखा जाता है जब बच्चों के स्कूल छूटने तथा लगने का समय होता है, स समय नगर की सड़कों पर दौड़ने वाले ट्रेक्टरों की गति को देखते हुए यह जान पड़ता है कि शायद मासूमो का अब भगवान ही मालिक है? यदि गौर किया जावे तो इन ट्रेक्टरों में ढोये जाने वाली मिट्टी को ट्रेक्टर मालिको द्वारा इस प्रकार से भरते हुए नगर की सड़को पर दौड़ाया जाता है जिसके चलते जब वह मिट्टी सड़को पर गिरने के बाद अन्य छोटे वाहन चालको के लिए खतरा की घंटी बताते हुए जान पड़ती है, क्योंकि सड़को पर गिरने वाली इस मिट्टी के चलते जहां बाइक सबारों को फिसलने का भय बना रहता है तथा इस मिट्टी के धूल में परिवर्तित होने के बाद सड़क को गंदा तो करती ही है साथ ही साथ जब इस मिट्टी से बनी हुई धूल के गुब्बरे बनकर उड़ते है तो लोगों का सांस लेना भी दूभिर हो जाता है? जिसके चलते जहां नगर के लोग इन ट्रेक्टर चालको की मनमानी से परेशान देखे जा रहे है, वही दूसरी ओर लोगों की जिन्दगी के लिए खतरा भी जान पड़ रहे है।

क्षेत्र के जंगलों से लगातार हो रही बांसो की कटाई को लेकर वन विभाग के अधिकारियों पर लग रहा प्रश्न चिन्ह

सिंहपुर छोटा। जहां एक ओर लगातार बिगड़ रहे प्रकृति के संतुलन को लेकर सभी लोग परेशान होते हुए देखे जा रहे है और इसी बात को चिंता को लेकर हर साल सरकार द्वारा करोडो रूपया खर्च करते हुए हरियाली महोत्सव का आयोजन करते हुए पौधा रोपण करने के साथ साथ वनों की रक्षा करने के लिए प्रयास किये जा रहे है, मगर इसके बाद भी जिस प्रकार से वनों की अवैध कटाई का क्रम चल रहा है उस पर अंकुश लगाने में शायद वह वन कर्मी असफल हो रहे है जिनके जिम्मे इन वन की रक्षा करने के लिए हर माह सरकार द्वारा पैसा खर्च किया जा रहा है? यदि वनों की रक्षा करने वाले उन वन कर्मियोंं की सच्चाई पर गौर किया जावे तो उन्हें निहत्थें होकर वनों की रक्षा करने की जिम्मा सौपे जाने के कारण इस प्रकार से वनमाफियों से वनकर्मी स्वयं ही असुरक्षित महसूस करने के कारण शायद वह वनों की रक्षा करने में सफल नही हो पा रहे है और इसी का परिणाम है कि क्षेत्र के जंगलों में खड़े हुए सागौन सहित बांस व अन्य पेड़ों की कटाई लगातार होने के कारण क्षेत्र के जंगल उजड़ने से नही बच पा रहे है? जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो शासन द्वारा पुलिस विभाग को जिस प्रकार रहवासी क्षेत्र में तैनात रहते हुए सारे साधन उलब्ध कराये जाते है। मगर वनकर्मियों को हथियारों के नाम पर एक डंडा तक उपलब्ध न करना जहां चिंता जनक सत्य है? वही दूसरी ओर इस प्रकार से निहत्थें अधिकारियों से वनों की रक्षा कर पाना असंभव दिखाई देने लगा है? और इसी का परिणाम है कि जिस प्रकार से प्रतिदिन क्षेत्र में सुबह सुबह हरे बांसों को काटकर उनके गट्ठे सहित इमरती लकड़ी को ले जाने वालों को देखने से बनों में हो रही अवैध कटाई की सच्चाई अपने आप ही उजागर होने से नही बच पा रही है।

न्यायालय श्रीमान अपर जिला न्यायाधीश महोदय गाडरवारा
(श्रीमति डॉ. अंजली पारे)
शिवांश बगैरह.....आवेदकगण
बनाम
सर्वसाधारण
प्र.क्र.- MJCGW NO.-03/2024
पेशी दिनांक . 09/07/2024
आदेश दिनांक. 10/05/2024
आम जनता को सूचना बावत्
इस न्यायालय में आवेदकगण शिवांश कौरव आत्मज श्री राम शंकर कौरव ना.वा. बली मॉ श्रीमती अंजली कौरव निवासी ग्राम झांझनखेड़ा तहसील गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर (म.प्र.) एवं अन्य ने सर्वसाधारण के विरूद्व धारा 8(2) हिन्दू अप्राप्तवयता और संरक्षकता अधिनियम 1956 के अंतर्गत अपनी भूमि मौजा घुटंगो, नं. वं. 137, प.ह.नं. 35 तहसील गाडरवारा स्थित भूमि ख.नं. 197/1 रकवा 0.405 हे. भूमि विक्रय हेतु अनुमति बावत् MJCGW NO.-03/2024 प्रस्तुत किया है जिसमें सर्वसाधारण को इस इश्तहार प्रकाशन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि आप पेशी दिनांक 09/07/2024 को समय 11:00 बजे इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से जिसको समस्त तथ्यों की जानकारी हो उपस्थित रहे। आपके अनुपस्थित रहने पर आपके विरूद्व एक पक्षीय कार्यवाही कर प्रकरण का निराकरण कर दिया जावेगा।
नोट. यदि पेशी दिनांक को न्यायालय में अवकाश रहता है तो प्रकरण की सुनवाई आगामी तिथि पर होगी तिथि उपरांत किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।
गाडरवारा
दिनांक. 04/04/2024
(श्रीमति डॉ. अंजली पारे)
शील
अपर जिला न्यायाधीश महोदय
गाडरवारा

खबर संक्षेप

दीदी की ई पाठशाला का किया गया आयोजन

डिंडौरी। आज विकासखंड मेंहदवानी के ग्राम खजरवारा में दीदी की ई पाठशाला का आयोजन किया गया। जिसमे सीबीआई कठोतिया के ब्रांच मैनेजर द्वारा भी पाठशाला में भाग लिया गया। जिसमें दीदियों को ई पाठशाला के अंतर्गत आवश्यक बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। नगद रहित लेन देन को बढ़ावा देने, क्यूआर कोड पर चर्चा की गई और बताया गया की दुकानदार को पैसे देने के पहले उसका नाम क्लियर करा लें ताकि आपका पैसा सही जगह जाये, अपने एटीएम के पासवर्ड को किसी से शेयर न करें, ओटीपी पर चर्चा करते हुये बताया गया कि कोई भी अपरिचित नंबर से फोन आये और बोले की आपको दो लाख या चार लाख कि लाटरी लगी है ओटीपी बताये तो नहीं बताना है, बीमा पर चर्चा करते हुये बताया गया कि सभी दीदी बीमा जरूर कराये, आर एफ, सीआईएफ वापसी पर चर्चा की गई, सीसीएल तथा मुद्रा लोन जैसे महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर दीदीयों को समझाइश दी गई।

जिला प्रशासन ने दिए शहपुरा नगर में अतिक्रमण हटाने के निर्देश

डिंडौरी। मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद शहपुरा ने बताया कि 04 मई 2024 को कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी शहपुरा में मुख्य मार्ग से अतिकण हटाये जाने हेतु बैठक आहुत की गयी बैठक में शहपुरा नगरीय क्षेत्र में मुख्य मार्ग जो अत्यधिक ही व्यस्ततम मार्ग है जिस पर भारी वाहनों का आवागमन का अधिक ही दबाव रहता है उक्त मार्ग के दोनों ओर व्यवसायियों द्वारा स्थायी, अस्थायी अतिक्रमण किया गया है जिसके कारण जनाक्रोश फैलने जैसी स्थिति निर्मित होने की संभावना हमेशा बनी रहती है, अतएव उक्त स्थलों से स्वयं अतिक्रमण हटाकर प्रशासन द्वारा चिन्हित स्थल पर फल, सब्जी हेतु विकास खण्ड कार्यालय के पास स्थित मैदान पर गुपचुप चाट एवं चाउमिन आदि की दुकानों हेतु मानस भवन के पास स्थित चैपाटी मैदान में लगाये जाने के संबंध में दिनाँक 15.05.2024 को कार्यालय नगर परिषद शहपुरा के सभागार में बैठक आहुत की गयी थी किन्तु उक्त बैठक में कोई उपस्थित नहीं हुआ। मुख्य मार्ग के दोनो ओर किये स्थायी, अस्थायी अतिक्रमण म०प्र० नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 187 एवं 223 के विपरीत है। अतः कलेक्टर विकास मिश्रा एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शहपुरा अनुराग सिंह के आदेशानुसार मुख्य मार्ग के दोनो ओर स्थायी एव अस्थायी अतिक्रमण कर्ताओ को सूचित किया जाता है कि आप 07 दिवस के भीतर दिनांक 27.05.2024 तक अपना अस्थायी, स्थायी अतिक्रमण हटाकर प्रशासन द्वारा निर्धारित स्थल पर व्यवसाय किया जाना सुनिश्चित करें, आपके द्वारा निर्धारित अवधि तक अतिकमण न हटाये जाने की दशा में दिनाँक 28.05.2024 को प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाये जाने की कार्यवाही की जावेगी जिसमें होने वाले व्यय की संपूर्ण राशि की वसूली आपसे की जाकर आपके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जावेगी जिसकी संपूर्ण जबाबदारी आपकी होगी।

अवैध रेत परिवहन करते पकड़ा वाहन

बिजुरी। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर जितेंद्र सिंह पवार द्वारा अवैध रेत परिवहन पर कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया जिसके परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मंसूरी एवं एसडीओपी कोतमा वी.पी. सिंह के मार्गदर्शन में बिजुरी पुलिस द्वारा 19 मई को ग्राम मौहरी में घेराबंदी कर एक लाल कलर के महिंद्रा ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 65 एए 1480 से अवैध रेत खनिज परिवहन करने पर रेड कार्यवाही कर अवैध रेत परिवहन करते हुए जप्त कर कब्जे पुलिस लिया गया।

भारत की मूल आत्मा गाँवों को अमृतकाल का इंतजार: आरके पालीवाल

पिछले दो साल से लगातार आजादी के अमृत काल का जश्न मनाया जा रहा है लेकिन जो लोग गांवों से जुड़े हैं वे जानते हैं कि देश के अधिकांश गांवों में अभी भी ऐसा कुछ विकास नहीं दिखता जिससे कहा जा सके कि गांवों में भी अमृत काल का जश्न मनाया जा सकता है।

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

आजकल लोकसभा चुनाव का शोर चरम पर है लेकिन उसमें ग्रामीण मुद्दे लगभग नदारद हैं। स्वस्थ, शिक्षित और समृद्ध गांव अभियान के साप्ताहिक वेबिनार में इस रविवार को हम लोगों ने संविधान में ग्राम पंचायत के अधिकार और कार्यक्षेत्र पर विषद चर्चा की थी क्योंकि अधिकांश ग्राम वासियों को इस बात की जानकारी ही नहीं है कि पंचायती राज व्यवस्था के अंतर्गत ग्राम पंचायत को ग्राम विकास के क्या अधिकार हैं! सभी ग्राम वासियों और ग्राम विकास के कार्यों से जुड़े व्यक्तियों, संस्थाओं, ग्राम प्रधानों, पंचों और सरपंचों के लिए यह जानना जरुरी है कि 73 वें संविधान संशोधन के अनुसार ग्राम पंचायत के लिए निम्न 29 काम निर्धारित किए गए हैं- कृषि विस्तार सहित कृषि विकास संबंधी कार्य, भूमि सुधारो का कार्यान्वयन, भूमि समेकन और मृदा संरक्षण आदि, लघु सिंचाई, जल प्रबंधन और वाटरशेड विकास, पशुपालन, डेयरी और मुर्गी पालन, मछली पालन, सामाजिक वानिकी और कृषि वानिकी, लघु वनोपज, खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों सहित लघु उद्योग, खादी और कुटीर उद्योग, ग्रामीण आवास, पेय जल, ईंधन और चारा, सड़कें, पुलिया, पुल, घाट, जलमार्ग और संचार के अन्य साधन, बिजली के वितरण सहित ग्रामीण विद्युतीकरण, गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत, गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम, प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों सहित शिक्षा, तकनीकी प्रशिक्षण और व्यावसायिक शिक्षा, वयस्क और गैर-औपचारिक शिक्षा, पुस्तकालय, सांस्कृति गतिविधियां, बाजार और मेले, स्वास्थ्य और स्वच्छता, जिसमें अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और औषधालय शामिल हैं, परिवार कल्याण, महिला बाल विकास, विकलांगों और मानसिक रूप से मंद लोगों के कल्याण सहित सामाजिक कल्याण, कमजोर वर्गों का कल्याण, और विशेष रूप से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों का कल्याण, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, सामुदायिक संपत्ति का रखरखाव।

इतनी सारी जिम्मेदारियों के होते हुए आजादी से आज तक ग्राम पंचायतें ठीक से अपने पैरों पर खड़ी नहीं हो पाई। इसीलिए अभी तक गांवों में अमृतलाल के दर्शन नहीं हुए। ग्राम प्रधानों और सरपंचों से हमारी बातचीत के दौरान प्रमुख तौर पर यह निष्कर्ष निकला है। ग्राम विकास में बाधक बन रहे तमाम पहलुओं पर आयकर विभाग के पूर्व आयुक्त आरके पालीवाल ने गहनता से रिसर्च किया तो मुख्य तौर पर ग्राम पंचायतों की निम्न प्रमुख समस्या सामने आये हैं।

1. योजनाओं का राजधानी दिल्ली या भोपाल में बनना जिनमें गांव के लोग शामिल नहीं किए जाते।

2. सुविधाओं के नाम पर गांवों में पंचायत भवन आदि तो बने पर वे जीवंत नहीं हैं।

3. जैविक और उन्नत खेती की बातें बहुत की जाती हैं लेकिन सरकार का कोई समर्थन नहीं मिलता।

4. दूर के गांव में कोई अधिकारी नहीं आता।

5. अधिकांश योजनाओं की जानकारी ब्लॉक से नीचे नही आती।

6. ज्यादा जोर किसी अच्छे काम की असली नकली फोटो ऊपर दिखाने पर रहता है इसलिए अधिकारी खाना पूर्ति करते हैं दिमाग नहीं लगाते।

7. काफी सरपंच और पंच शिक्षित नहीं। वे सोचते हैं सरकार का पैसा है अधिकारी जैसा चाहे खर्च करे।

8. जनता में जागरूकता की कमी है।

9. फ्री राशन मिलने के कारण काफी लोग मनरेगा में मजदूरी नहीं करना चाहते। गांव के लोग भी कंफर्ट जोन में चले गए इसलिए ज्यादातर काम जे सी बी से करना पंचायत की मजबूरी हो गई। यही भ्रष्टाचार की जड़ बन गया।

10. संपन्न लोग ही सब योजनाओं का लाभ ले लेते हैं क्योंकि उनके राजनीतिक कनेक्शन हैं और वे डॉक्यूमेंट्स के मामले में समृद्ध हैं।

11. पंचायत सचिव पंचायत की बजाय सरकार की बात मानता है।

इन्हीं सब कारणों से गांव विकसित नहीं हो रहे। गांवों में अमृतकाल लाने के लिए इन तमाम बाधाओं को दूर करना होगा तभी गांवों में अमृतकाल का प्रवेश संभव है। ग्रामीण विकास के मुद्दे पर युवा अधिवक्ता सम्यक जैन का कहना है कि गांव से वास्ता रखने वाले हम सब नागरिकों के लिए भी यह जानकारी आवश्यक है ताकि हम जिन गांवों से जुड़े हैं, वहां इन कार्यों को अच्छे से संपन्न करने में सहयोगी की भूमिका निभा सकें।

पुलिस अधीक्षक ने बिरसा मुण्डा स्टेडियम का निरीक्षण किया

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

पुलिस अधीक्षक श्रीमती वाहनी सिंह ने बिरसा मुण्डा स्टेडियम का निरीक्षण किया और ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का अवलोकन किया। बिरसा मुण्डा स्टेडियम में खेल संचालन की दृष्टि पुलिस अधीक्षक श्रीमती वाहनी सिंह के साथ हाऊसिंग बोर्ड के एसडीओ व इंजीनियर को तत्काल इंडोर स्टेडियम, एथलेटिक्स मैदान, स्टेडियम मरम्मत, विद्युत, पानी एवं विकास निर्माण हेतु हाऊसिंग बोर्ड को इस्टीमेट तैयार कर संचालक खेल और युवा कल्याण विभाग भोपाल को राशि आवंटन उपलब्ध हेतु प्रस्ताव तैयार करने हेतु एसडीओ को निर्देश दिए हैं। खेल अधिकारी मो. अहमद खान को खेल गतिविधियां बेहतर से बेहतर करने के निर्देश दिए तथा पुलिस अधीक्षक श्रीमती वाहनी सिंह ने कहा कि हम दौड़ने का ट्रेक अपने स्तर से तैयार कर खेल को व्यवस्थित करेंगे। समनापुर, बजाग, करंजिया, अमरपुर, मेंहदवानी, शहपुरा एवं डिण्डौरी में 1 मई से 30 मई 2024 तक चल रहे खेल प्रशिक्षण को नियमित निगरानी करने हेतु खेल अधिकारी को निर्देश दिए हैं। कलेक्ट्रेट प्रांगण में संचालित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण में शामिल खिलाड़ियों को चॉकलेट वितरित करते हुए खेल के गुणों की जानकारी प्रदान की गई। मो. अहमद खान जिला खेल अधिकारी, चेतराम अहिरवार खेल प्रशिक्षक, हरेन्द्र उपाध्याय, कुमारी आरती सोंधिया, रोशनकांत, राजकुमार, संतोषी यादव, सुमन, सुभाष सिंह यातायात प्रभारी एवं अन्य सीनियर खिलाडी उपस्थित रहे।

सड़क किनारे एवं खेत बने अहाता अवैध शराब का धंधा जोरों पर

हरिभूमि न्यूज अमरपुर। जनपद पंचायत मुख्यालय अमरपुर सहित चांदपुर, पड़रिया गांव में अवैध रूप से शराब बिक्री जारी हैं। जहां कच्ची शराब एवं अंग्रेजी शराब धड़ल्ले से बेची जा रही हैं। जिससे शराब के शौकीन सड़क किनारे किसी भी के खेत में बैठकर अपना शौक पूरा कर लेते हैं। वहीं खाली शीशी सड़क या खेत में ही फोड़ दी जाती हैं। जिससे खेतों में चलते हुए मवेशियों के खुरों में कांच का टुकड़ा घुस जाने से अपाहिज हो रहे हैं। सड़कों में फैले कांच के टुकड़े राहगीरों एवं वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ हैं। उपरोक्त दोनों गांव डिंडौरी से अमरपुर मुख्य मार्ग में स्थित हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार रात्रि में शराबियों की भारी धमा चैकड़ी रहती हैं। शराब की बिक्री भी ऐसे की जाती हैं कि शासन द्वारा लाइसेंस दे दिया गया हैं। जहां गांव में सभ्य परिवार भी निवासरत हैं, जिन लोगों को अर्मयादित भाषा परेशानी महसूस करते हैं। ऐसी स्थिति सभी सड़कों पर आसानी से देखें जा सकते हैं। इस गर्मी के मौसम में खेतों में लगे पेड़ के नीचे या फिर नदी किनारे इनके ज्यादा पसंदीदा जगह हैं। जबकि आबकारी विभाग की स्थापना शासन द्वारा की गई हैं। परंतु विभाग द्वारा किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं हो पा रही हैं। इस अवैध शराब बिक्री से युवा वर्ग कुछ ज्यादा ही प्रभावित हैं। जिससे अपराध एवं वाहन दुर्घटनाओं में दिनों-दिन भारी इजाफा हो रहा हैं।

बिना मेडिकल सर्टिफिकेट के संचालित हो रहे अस्पतालों के जांच के निर्देश

बिना परमिट, फिटनेस के न हो बसों का संचालन कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक में दिए निर्देश

अनूपपुर। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने जिले के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने निर्देश देते हुए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से कहा कि जिले में बिना मेडिकल सर्टिफिकेट के संचालित हो रहे अस्पतालों की जांच की जाए।

बिना परमिट, फिटनेस के ना हो बसों का संचालन

बैठक में कलेक्टर ने जिला परिवहन अधिकारी से बसों पर कार्यवाही के संबंध में जानकारी प्राप्त की। जिस पर जिला परिवहन अधिकारी ने कलेक्टर को जानकारी देते हुए बताया कि इस सप्ताह 76 बसो पर कार्यवाही की गई है। इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि जिले में यातायात के सभी नियमों का पालन बस संचालकों से कराया जाए। कोई भी बस परमिट, फिटनेस इत्यादि के बिना संचालित ना हो। बैठक में कलेक्टर ने लाउडस्पीकर, खुले में मांस, मछली विक्रय इत्यादि की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को समय-समय में निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए।

समय पर राशन वितरण करें सुनिश्चित

बैठक में कलेक्टर ने जिले में राशन वितरण प्रणाली की स्थिति की समीक्षा करते हुए जिला आपूर्ति नियंत्रक को निर्देशित किया कि जिले में राशन वितरण प्रणाली में और अधिक पारदर्शिता लाएं तथा सभी हितग्राहियों को समय मंक राशन वितरण करना सुनिश्चित करें। बैठक में कलेक्टर ने कृषि उपज मंडी का निरंतर भ्रमण कर व्यवस्थित बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में कलेक्टर ने जिले के 69 छात्रावासों में सोलर गीजर लगवाने की स्थिति का भी समीक्षा किया।

शहर के लिए नासूर बना अतिक्रमण

कोतमा। नगर के प्रमुख मार्गों में अतिक्रमण हर व्यक्ति के लिए समस्या बन गई है। यह स्थिति अधिकारियों के संज्ञान में भी है, लेकिन अतिक्रमण हटाने के लिए नगर प्रशासन ने अभी तक कोई रणनीति नहीं बनाई है। अतिक्रमणकारी राहगीरों के चलने वाली सड़क को भी कब्जा कर लिए है। नगर के मुख्य मार्गो में अतिक्रमणकारियों का बोलबाला है। सड़क किनारे जगह-जगह बड़े दुकान एवं फुटपाथी दुकानदारों ने कब्जा जमा लिया है। जिससे सड़क संकरी हो गई है। इससे आए दिन सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रहती है। बाजार के अधिकतर दुकानदार अपनी दुकान की सीमा से बाहर भी सामान रखे रहते हैं, जिसका खामियाजा आमजनों को भुगतना पड़ता है। इससे सड़कों पर पैदल चलने वाले फुटपाथ पर पैर रखने की जगह नहीं बची होती है।

पुराना अस्पताल रोड सब्जी मंडी रोड स्टेशन चौक पंचायती मंदिर रोड पोस्ट ऑफिस रोड जखीरा चौक गांधी चौक बस स्टेंड के मार्गो में दुकानदारों के द्वारा मनमाने तरीके से दुकान की सामग्री बाहर लगा कर सड़क को छोटा करते जा रहे हैं। जिस पर नगर प्रशासन का ध्यान नहीं जा रहा है न ही नगर पालिका के जिम्मेदार अतिक्रमण हटाने की तैयारी में है। कुल मिला कर आमजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नगर में सड़कों पर अतिक्रमण से समस्या बढ़ गई है। आमजनो को सड़को पर पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, मंगलवार 21 मई 2024

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

डॉ. सोनी को मिला सुमित्रानंदन पंत सम्मान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । स्थानीय स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पदस्थ गणित विभाग के विभागाध्यक्ष सांईखेड़ा निवासी डॉक्टर गनेश कुमार सोनी को सहारनपुर उत्तर प्रदेश की संस्था स्वतंत्रता सेनानी वैद्य केशोराम मेमोरियल सोसायटी तथा चित्त पावन भारत पत्रिका के संयुक्त तत्वावधान में पद्म भूषण कवि सुमित्रानंदन पंत जी के जन्म दिन के उपलक्ष्य में साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में सुमित्रानंदन पंत स्मृति सम्मान 2024 से सम्मानित किया गया। विदित होगी में लगभग 34 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं साथ ही सामाजिक साहित्यिक क्षेत्र में अपनी अभिरुचि रखने वाले डॉ गनेश कुमार सोनी की काव्य कृति तथा पन्द्रह काव्य साझा संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं।साथ ही विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में रचनाएं प्रकाशित होती रहती है। आप ई-पत्रिकाओं के संपादक मंडल तथा शब्द शब्द दर्पण में मार्गदर्शक मंडल में है। ज्ञात हो कि इन्हें पूर्व भी कई सम्मान मिल चुके हैं।

विशेष पेंशन शिविर का आयोजन आज से

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में लंबित पेंशन प्रकरण के निराकरण के लिए जिला पेंशन कार्यालय नरसिंहपुर में 21 मई से 24 मई तक विशेष पेंशन शिविर का आयोजन किया जायेगा। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती पटले ने समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारी को निर्देशित किया है कि वे उक्त अवधि में कार्यालय अंतर्गत सेवानिवृत्त, मृत शासकीय सेवकों के लंबित पेंशन प्रकरणों का ऑनलाईन एवं ऑफलाईन पेंशन शिविर में प्रस्तुत कर प्रकरणों का निराकरण कराया जाना सुनिश्चित करें। अन्यथा की स्थिति में अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिये संबंधित आहरण एवं संवितरण अधिकारी स्वयं जिम्मेदार होंगे।

फांसी लगाकर व्यक्ति ने की आत्महत्या

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । स्टेशनगंज थाना अंतर्गत धुवघट निवासी व्यक्ति ने अपने ही घर में फांसी लगाकर अपनी देहलीला समाप्त कर दी वही मिली जानकारी के अनुसार गोपाल पिता धनीराम मेहरा उम्र 40 वर्ष जो धुवघट गांव का निवासी था और उसने अपने ही घर में फांसी के फन्दे से लटककर अपनी देहलीला समाप्त कर ली वहीं परिजनों ने व्यक्ति को लटका देखा तो पड़ोसियों को सूचना दी वही गांव कोटवार के द्वारा स्टेशन गंज थाने फोन लगाकर सूचना दी गई पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लाया गया जहां परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया है। वहीं पुलिस ने मर्ग प्रकरण कायम कर मामला जांच में लिया है।

मतगणना के संबंध में बैठक कल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । लोकसभा निर्वाचन- 2024 के अंतर्गत मतगणना गणना के संबंध में आवश्यक बैठक अब 22 मई को दोपहर 12 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की जायेगी। उल्लेखनीय है कि पूर्व में यह बैठक 21 मई को आयोजित की जाना थी। जिसे उपरोक्तानुसार संशोधित किया गया है। इस बैठक में मतगणना की तैयारियों के संबंध में चर्चा की जायेगी। इस संबंध में समस्त सहायक रिटर्निंग ऑफीसर, समस्त अनुविभागीय अधिकारी, समस्त तहसीलदार व समस्त नायब तहसीलदार बैठक में उपस्थित रहेंगे।

परिवहन व एनटीपीसी अधिकारी के बीच बहस वीडियो वायरल

एक सप्ताह बाद परिवहन अधिकारी ने मीडिया से साझा की जानकारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सोमवार को शोसल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जो कुछ ही देर बाद बाजर मे चर्चा का विषय बन गया। वीडियो मे एनटीपीसी के एक अधिकारी द्वारा परिवहन अधिकारी पर परेशान करने तथा करप्शन रोकन ने अपील भी की है।

हालांकि वीडियों मे दोनो अधिकारियों के बीच मे पत्र का भी जिक्र किया जा रहा है। इसी संबंध मे परिवहन अधिकारी द्वारा 5 ओवर लोड वाहन पर कार्रवाई का समाचार भी जारी किया गया है। लेकिन लोगो के यह बात समझ के परे नजर आ रही है कि कार्रवाई के सात दिन बाद मीडिया से जानकारी साझा किया जाना किस ओर इशारा करती है । परिवहन विभाग द्वारा साझा की गई जानकारी के पूर्व वीडियो वायरल हो चुका था।

एनटीपीसी अधिकारी ने करप्शन व परेशान करने के लगाये आरोप

मामला इस प्रकार

फ्लाईएश के वाहनों के संबंध में ओवरलोडिंग एक्स्ट्रा बॉडी की शिकायत पर प्राप्त होने पर परिवहन विभाग द्वारा 5 हाईवा वाहनों पर चालानी कार्रवाई करते हुए 57 हजार 500 रुपये का समन शुल्क वसूल किया गया। उल्लेखनीय है कि एनटीपीसी से प्लाईएश ढोने वाले वाहनों के संबंध में ओवरलोडिंग एक्स्ट्रा बॉडी की शिकायत प्राप्त हो रही थी। इस संबंध में परिवहन विभाग द्वारा 12 मई को लगभग 3.30 बजे आकस्मिक चैकिंग करने के लिए एनटीपीसी के बाहर स्थित रोड पर चैकिंग के दौरान 5 हाईवा पाये गये। इन वाहनों पर एक्स्ट्रा बॉडी लगी थी। कार्रवाई के दौरान एक्स्ट्रा बॉडी वाले वाहनों पर चालानी कार्रवाई की गई। यह जानकारी जिला परिवहन अधिकारी जितेन्द्र शर्मा ने दी है।

सोमवार को वीडियो हुआ वायरल

उक्त संबंध मे प्राप्त जानकारी के अनुसार परिवहन अधिकारी द्वारा 12 मई मे कार्रवाई की गई थी उसी दौरान एनटीपीसी के अधिकारी द्वारा वीडियो बनाया गया जिसमे करप्शन तथा परेशान करने के आरोप लगाये गये है जिसमे परिवहन अधिकारी भी वीडियों मे कैद नजर आये दोनो अधिकारियों के बीच काफी देर तक बहस चलती रही। वीडियों के वायरल होने के बाद परविहन अधिकारी की कार्य प्रणाली पर भी लोगो द्वारा सवल उठाये जा रहे है। अब देखना होगा कि उक्त संबंध मे उच्च अधिकारियों द्वारा क्या कार्रवाई की जाती है ।

7 दिन तक मीडिया से परहेज क्यों

12 मई को कार्रवाई करने गये परविहन अधिकारी जितेन्द्र शर्मा व एन टी पी सी एनटीपीसी के अपर महाप्रबंधक आशीष वर्मा के बीच वहस हुई और वीडियो बनाया गया जिसमे एन टी पी सी अधिकारी द्वारा परेशान करने तथा करप्शन की बात कही जा रही है और वह वीडियों सोमवार को वायरल किया गया लोगों द्वारा अनुमान लगाया जा रहा है कि परिवहन अधिकारी द्वारा कार्रवाई की गई थी तो 7 दिन तक मीडिया से जानकारी साझा क्यो नही की गई और वीडिया वायरल हो जाने के कुछ घंटों बाद मीडिया के साथ जानकारी साझा करने का क्या औचित्य जब कार्रवाई का सप्ताह भी निकल चुका।

नियमो का दिया जा रहा हवाला

वीडिया मे एन टी पी सी अधिकारी द्वारा परेशान करने की बात कही जा रही है वही परिवहन अधिकारी जितेन्द्र शर्मा द्वारा नियमों का हवाला दिया जा रहा है एवं कहा जा रहा है कि अनेको बार पत्र भी दिये गये है लेकिन सुधार नही किया गया जिसपर कार्रवाई की जा रही है परिवहन अधिकारी द्वारा मौके पर पाये गये ओवर बॉडी वाहनों को बंद करने की बात कही जा रही है। यदि ऐसा है तो एनटीपीसी के जिम्मेदार अधिकारियों को नियमों का पालन करना चाहिये तथा ओवर बॉडी वाहनों की लोडिंग बंद करनी चाहिये ।

3 फरार इनामी आरोपी पुलिस की हिरासत में

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । पुलिस थाना ठेमी पीड़ति में लखन केवट पिता धनीराम केवट, निवासी गुडवारा की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 30/2024 धारा 294,324,506 बढायी गयी घारा 341,323,326,34 भादवि, पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। उक्त घटना में आरोपी तखत सिंह लोधी ने आहत आशीष के सिर में नुकीली हथियार से मारपीट कर गंभीर चोट पहुँचायी जिससे आशीष मेडिकल कालेज जबलपुर में भर्ती रहा और घटना के संबंध में दिये गये कथनों से आरोपी तखत सिंह लोधी, गोपाल लोधी, धरम लोधी के द्वारा रास्ता रोककर अशलील गालियां देकर मारपीट कर गंभीर चोट पहुंचाकर जान से मारने की धमकी दी गई लेख कराया गया था। उक्त प्रकरण में घटना घटित कर घटना स्थल से ही सभी आरोपी फरार हो गये थे, थाना ठेमी पुलिस द्वारा लगातार प्रयास करने के बाद भी आरोपियों को अभिरक्षा में लेने में काई सफलता प्राप्त नही हो पा रही थी। आरोपियों की सूचना देने वाले एवं अभिरक्षा में लेने हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा 5 हजार के नगद इनाम की घोषणा की गई थी। गठित की गयी टीम द्वारा आरोपियों की पतासाजी एवं अभिरक्षा में लेने हेतु निर्देश के पालन में गोपनीय सूचनाकर्ताओं को को सक्रीय किया गया एवं तकनीकी माध्यमों का उपयोग किया गया जिस पर दिनांक 19.05.2024 को आरोपी धरम पिता ख्याल सिंह पटैल निवासी गुडवारा को रेल्वे स्टेशन, नरसिंहपुर के पास होने की सूचना प्राप्त हुयी सूचना प्राप्त होते ही गठित की गयी टीम द्वारा घेराबंदी की गयी जिसके परिणाम स्वरूप आरोपी को अभिरक्षा में लेने में सफलता प्राप्त हुयी। वही दो आरोपी धरम सिंह पटेल से पूछताछ करने पर उसके द्वारा शेष दो आरोपियों के नर्मदापुरम में होने की जानकारी दी गयी जिस पर पुलिस टीम द्वारा आरोपी गोपाल पिता तखतसिह लोधी उम्र 28 वर्ष निवासी गुडवारा, तखतसिंह लोधी पिता ख्याल सिंह लोधी उम्र 52 वर्ष नि. गुडवारा को दिनांक 20.05.2024 को अभिरक्षा में लेने में सफलता प्राप्त हुयी।

विद्यार्थियों को दिया जा रहा इनडोर आउटडोर खेल का प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन एवं जिला शिक्षा अधिकारी एचपी कुर्मी के मार्गदर्शन में जिले के शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के उद्देश्य से 13 जून 2024 तक समर कैंप के आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा इनडोर, आउटडोर खेल, पेंटिंग, डांस, योग की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

इसी क्रम में शासकीय हाई स्कूल ठेमी में प्राचार्य गोविंद बड़कुर एवं प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा छात्र - छात्राओं को स्थानीय खेल कबड्डी, खो- खो के अलावा इनडोर गेम शतरंज के खेल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रभारी प्राचार्य श्री बड़कुर ने खेल गतिविधियों के साथ- साथ गर्मी में खानपान एवं शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की जानकारी दी। स्वस्थ्य शरीर से मस्तिष्क भी स्वस्थ्य रहता है। हाई स्कूल ठेमी में छात्र द्वारा जहां स्थानीय खेल कबड्डी में अपना हुनर दिखा रहे हैं, वहीं छात्राओं द्वारा भी शतरंज में सहभागिता कर अपना उत्साह दिखा रहे हैं। विद्यार्थियों द्वारा अपनी रुचि के अनुसार समर कैंप में सहभागिता कर उत्साहित हो रहे हैं। इसके साथ-साथ शिक्षक भी इन गतिविधियों में अपनी सहभागिता दे रहे हैं।

कृषक संध्या कार्यक्रम में दी बैंकिंग की जानकारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया नरसिंहपुर द्वारा कृषक संध्या कार्यक्रम का आयोजन ग्राम सिंहपुर छोटा में 18 मई 2024 को किया गया। यह कार्यक्रम ग्रामीणजनों को बैकिंग जागरूकता पहुंचाने के लिए किया गया। अग्रणी जिला प्रबंधक जयदेव विश्वास ने बताया कि कृषि संध्या कार्यक्रम में ग्रामीणजनों के साथ बैंकिंग से जुड़ने के फायदे, व्यवसाय में बैंक किस प्रकार सहायता करता है, बैंकिंग सेवाओं में किस प्रकार की असुविधाओं का सामना करना पड़ता है, के संबंध में विस्तार से चर्चा की गयी। कृषक संध्या कार्यक्रम में मौजूद ग्रामीणजनों द्वारा इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से ग्रामीणजनों को बैकिंग गतिविधियों की जानकारियां प्राप्त होती हैं ऐसे कार्यक्रम बैंक द्वारा होते रहना चाहिए। कार्यक्रम में शाखा प्रबंधक तरूण कुमार, अरूण कुमार, संदीप कुमार, फील्ड ऑफीसर अनुराग बसैडिया, श्रीमती अमिराज दुबे, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय माझी, डॉ. संजय पाल, डॉ. राजीव जैन, बैंक के स्टाफ, बीसी और ग्रामीण जन मौजूद थे ।

10 दिनों में ही हुआ लक्ष्य पूर्ण

तेंदूखेड़ा- प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति तेंदूखेड़ा के अंतर्गत आने वाली 11समीतियों द्वारा 1600मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य 10दिनो में ही पूरा कर लिया गया है। 9 मई से प्रारंभ हुये इस लक्ष्य को लगभग 1300संग्राहक परिवारों ने इसे 19 मई को ही पूरा कर दिया। 1600मानक बोरा की जगह 1610 मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहण किया गया। 4 हजार रुपए प्रति मानक बोरा तेंदूपत्ता की तुड़ाई करवाई गई है। चूंकि जंगलों में अभी और भी तेंदूखेड़ा शेष है।इस बार मौसम की प्रतिकूलता के बाबजूद भी जोरदार पत्ता देखने को मिला। चूंकि यह कार्य और भी चलना था। लेकिन लघु वनोपज सहकारी संघ ने तेंदूखेड़ा क्षेत्र में बहुत ही सीमित मात्रा में तुड़ाई करवाई। सभी संग्राहकों के खातों में वोनस सहित राशि एवं अन्य सुविधाएं भी शासन द्वारा मुहैया कराई जातीं हैं।

श्मशान घाट पर नहीं हैं पर्याप्त सुविधाएं

बना हुआ गंदगी पूर्ण आलम

तेंदूखेड़ा- मानव जीवन अपने संपूर्ण जीवन काल के सुविधा भोगी ऐशोराम के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ता है। लेकिन अंतिम समय में जिस चिता में जलकर उसे राख होना है वहां की जरुरी व्यवस्था के लिए दो गज जमीन को वह जरा भी विचार नहीं कर पाता। तेंदूखेड़ा में मुख्य रूप से दो अलग-अलग स्थानों पर श्मशान घाट बनाए गए हैं। इनमें एक बार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पीछे तरफ और दूसरा हरसिद्धि मंदिर परिसर तरफ बना हुआ है। दोनों परिसरों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पीछे तरफ स्थित श्मशान घाट पर नगर के अधिकांशतः वार्डों के शवदाह हुआ करते हैं जबकि हरसिद्धि मंदिर तरफ परिसर में सागौनी पटवारी मुहल्ला तरफ के शवदाह दूरी और सुविधा के हिसाब से पहुंचा करतें हैं। अक्सर कर इन परिसरों में गंदगी पूर्ण आलम के साथ ना तो पर्याप्त छायादार शेड बैठने के लिए व्यवस्था नहाने धोने को पानी से लेकर सामुहिक श्रंद्धाजलि के लिए भी जगह का अभाव बना हुआ है। वहीं पूर्व में इस परिसर में तार बाड़ी से लेकर हेंडपंप की व्यवस्था हुई थी लेकिन अब वह भी नहीं बची हुई है। यहां तक कि नशैलचियों का एक सुरक्षित अघोषित अड्डा बना हुआ है। यहां पर जब एक साथ एक से अधिक शवदाह की स्थिति बनती है तो बहुत ज्यादा परेशानियों का सामना पीड़ति पक्ष को करना पड़ता है।

दो साल पहले बन चुकी है डीपीआर

कोविड काल की त्रासदी के बाद श्मशान घाट पर होने वाली परेशानियों को दृष्टिगत रखते हुए यहां पर दो साल मई 2022 में एक अधोसंरचना तैयार की गई थी जिसमें मोक्षधाम शेड प्रतिक्षा हाल बाउंड्री वॉल शव रखने चबूतरा और अंतिम यात्रा में शामिल होने वाले लोगों को बैठने बैंच निर्माण परिसर की फिलिंग पेवर ब्लाग सहित 80लाख की डीपीआर बनाकर भिजवाई गई थी। तकनीकी स्वीकृति हो जाने के बाद से आज तक इस व्यवस्था के लिए वजट ना होने की स्थिति में श्मशान घाट में उचित व्यवस्था नहीं हो पा रही है। मानवीय संवेदनाओं को दृष्टिगत रखते हुए दो साल में शासन इस व्यवस्था बजट उपलब्ध ना हो पाना सोचनीय विषय बना हुआ है।

शवदाह हेतु जलाऊ लकड़ी की किल्लत

तेंदूखेड़ा में शवदाह के लिए जलाऊ लकड़ी की किल्लत होने लगीं है। चूंकि पूर्व में यहां पर कुछ समाजसेवियों द्वारा जलाऊ लकड़ी क्रय करके निशुल्क व्यवस्था की जाती थी लेकिन अनावश्यक दोहन और अशोभनीय व्यवहार के कारण उनके द्वारा अब इस व्यवस्था से अपने हाथ खींच लिए हैं ।इस कारण से पीड़ति वर्ग को शव दाह के लिए जलाऊ लकड़ी के लिए परेशान होना पड़ता है। तत्काल मुंह मांगे दामों पर यहां वहां से लकड़ी खरीदने के बाद ही शवदाह हो पाता है। वन विभाग में भी अब यह व्यवस्था नहीं रहती है जिस कारण से पीड़ति पक्ष को परेशान होना पड़ता है।कोविड काल से लेकर कुछ समय पूर्व तक यह व्यवस्था निशुल्क चलने के कारण सभी लोग निश्चिंत रहा करते थे लेकिन पीड़ति वर्गों में चिंता की लकीरें देखने को मिलती हैं। चूंकि वन विभाग चिट्ठा खरीद कर व्यवस्था बनाने तैयार तो हुआ था लेकिन भुगतान की समस्या और प्रभावशालीयों के फोन के कारण लोग मनमाने तरीके से लकड़ी उठा कर ले जाने अनावश्यक अपव्यय के चलते यह व्यवस्था बंद कर दी गई है।

एक साथ जली तीन चितायें

सोमवार को नगर में अलग अलग परिवारों में हुये दुखद निधन के चलते श्मशान घाट पर एक ही समय में तीन चितायें जलीं।उस समय जहां जलाऊ लकड़ी को लेकर हुई समस्या फिर अंतिम विदाई देने गये लोगों को बैठने छायादार शेड और एक साथ श्रद्धांजलि की व्यवस्था खली। लोगों ने शासन प्रशासन से मांग की है कि तत्काल प्रभाव से मानवीय संवेदनाओं से जुड़ी इन व्यवस्थाओं पर प्राथमिकता से ध्यान दिया जाए।

मठ मंदिर के पास कुएं में मिला युवक का शव

हरिभूमि न्यूज सिवनी। नगर के मठ मंदिर क्षेत्र में खेत के समीप बने कुएं में रविवार दोपहर लगभग 4 बजे एक युवक का शव पानी में तैरता हुए मिला है। जानकारी के अनुसार कुछ लोगों ने कुएं में अज्ञात व्यक्ति की लाश देखी तो इस बात की सूचना कोतवाली को दी। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और व्यक्ति के शव को कुएं से बाहर निकलवाया। पंचनामा कार्यवाही करके शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मामले को लेकर पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और मृतक के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि व्यक्ति ने आत्महत्या की है या उसकी हत्या की गई है। कोतवाली थाना प्रभारी सतीश तिवारी ने बताया की सूचना मिली थी की मठ मंदिर के पास कुएं में अज्ञात व्यक्ति मृत अवस्था मे पड़ा हुआ है। जिसके शव को पीएम के लिए भेजा गया है। जांच में पता चला है की व्यक्ति जनता नगर का रहने वाला है। नाम कापता नहीं चला है। लेकिन अभी मौत का स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है।